# FACULTY OF LANGUAGES

**SYLLABUS**
**of**
**Master of Arts HINDI (Semester:III)**

**(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)**

**Session: 2025-26**

# The Heritage Institution

# KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

# KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)
## SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
## OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME
## CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
## GRADING SYSTEM (CBCEGS)
## PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)

| Master ofArts (HINDI)<br>Semester III | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Course Code | Course Name | Course Type | Hrs/ Weeks | Credits L.T.P | Marks | | | | | Examination time (in Hours) |
| | | | | | Total Credits | Total | Ext. | | | |
| | | | | | | | L | P | CA | |
| MHIL -3261 | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य<br>**PRACHEEN EVAM MADHYAKALEEN KAVYA** | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL -3262 | आधुनिक गद्य साहित्य<br>AADHUNIK GADYA SAHITYA | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL -3263 | भाषा विज्ञानऔर देवनागरी लिपि<br>BHASHA VIGYAN AUR DEVNAGRI LIPI | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL - 3264 | पत्रकारिता प्रशिक्षण<br>PATRAKARITA PRASHIKSHAN | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL- 3265 (Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित | गुरु नानक देव जी (Opt-i)<br>GURU NANAK DEV JI | O | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है ) | सूरदास (Opt-ii) SOORDAS | O | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| | हिंदी कहानी (Opt-iii) HINDI KAHANI | O | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| (विद्यार्थी अग्रलिखित अन्तर्ज्ञानानुशास्त्रात्मक(interdisciplinary) विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है ) | | **IDE** | **4** | **-** | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| **Total** | | | **20** | **20** | | **500** | | | | |
| IDEC-3101<br>IDEM-3362<br>IDEH-3313<br>IDEI-3124<br>IDEW-3275 | Effective Communication Skills<br>Basics of Music(Vocal)<br>Human Rights And Constitutional Rights<br>Basics of Computer Applications<br>Indian Heritage : Contribution to the world<br>(Credits of these courses will not be added to SGPA) | | | | | | | | | |

**C-Compulsory**
**O-Optional**
**IDE-Inter Disciplinary Elective Course**
**IDC- Inter Disciplinary compulsory Course**

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL - 3261

**Course Outcomes :**

**पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :**

CO-1:
हिन्दीकेप्राचीनकवियोंकेसम्बन्धमेंजानकारीप्राप्तकरसकतेहैंतथाउनकाहिंदीसाहित्यमेंयोगदानसम्बन्धीज्ञानप्राप्तकरसकतेहै |

CO-2:
हिन्दीकेमध्यकालीनकवियोंकेसम्बन्धमेंजानकारीप्राप्तकरसकतेहैंतथाभक्तकवियोंकाहिन्दीसाहित्यमेंयोगदान सम्बन्धीज्ञानप्राप्तकरसकतेहै |

CO-3: प्राचीनएवंमध्यकालीनकवियोंकेकाव्यमेंआधुनिकताबोधकेबारेमेंजानकारीप्राप्तकरसकतेहैं |

CO-4: प्राचीनएवंमध्यकालीनकवियोंकीसांस्कृतिकचेतनासम्बन्धीज्ञानप्राप्तकरसकतेहैं |

CO-5:सूफीकाव्यपरम्पराकीविशेषताओंऔरमहत्वकेसम्बन्धमेंजायसीकेकाव्यके
महत्वकेविषयमेंजानकारीप्राप्तकरसकतेहैं |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL- 3261

# प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Total: 100

CA: 30

TH: 70समय: तीन घंटे

LTP – 4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश:**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ :(निर्धारित सभी कृतियों से व्याख्या डालना अनिवार्य है )**

**पाठ्य पुस्तक -**'काव्य कांति ' सम्पादक प्रो॰ सुधा जितेन्द्र ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2020

नोट : निर्धारित पुस्तक काव्य कांति में से पृ. 129 पाठ्यक्रम में नहीं हैं व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित तीन कवि

1. अमीर खुसरो
2. कबीर
3. जायसी

## इकाई -दो

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

1.अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व

- हिंदी के आदि कवि :अमीर खुसरो
- अमीर खुसरो के काव्य की मूल संवेदना
- अमीर खुसरो के काव्य की भाषा
  - विद्यापति का सामान्य परिचय

## इकाई -तीन

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

2.कबीर : व्यक्तित्व और कृतित्व
- कबीर काव्य का दार्शनिक पक्ष
- कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर काव्य का कलात्मक पक्ष
- कबीर की भक्ति भावना
- रविदास का सामान्य परिचय

## इकाई -चार

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

3.जायसी : व्यक्तित्व और कृतित्व
- सूफी काव्य परम्परा में जायसी का स्थान
- जायसी की प्रबन्ध योजना ,पद्मावत का महाकाव्यत्व
- जायसी के काव्य में विरह वर्णन :नागमती का विशेष सन्दर्भ
- जायसी के काव्य में प्रेमाभिव्यंजना एवं रहस्यवाद
- पद्मावत का काव्य सौष्ठव

**सहायक पुस्तकें :**

1.आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. गोपीचंद नारंग, अमीर खुसरो का हिंदी काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. रामनिवास चंडक, कबीर :जीवन और दर्शन, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. परशुराम चतुर्वेदी, कबीर साहित्य चिंतन, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. नज़ीर मुहम्मद, कबीर के काव्य रूप, भारत प्रकाशन, अलीगढ।
6. रघुवंश, कबीर एक नई दृष्टि, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

7. रामकुमार वर्मा, कबीर एक अनुशीलन, साहित्य भवन, इलाहाबाद|
8. मनमोहन गौतम, पद्मावत का काव्य वैभव, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली|
9. रामपूजन तिवारी, जायसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली|
10. शिवसहाय पाठक, हिंदी सूफी काव्य का समग्र अनुशीलन, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली|
11. जयदेव , सूफी महाकवि जायसी, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ|
12. डॉ.हरमहेन्द्र सिंह बेदी, कालजयी कबीर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर|

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL-3262

# आधुनिक गद्य साहित्य

**Course Outcomes :**

**इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :**

CO-1: आधुनिकहिंदीसाहित्यकाउच्चकोटिकाउपन्यास 'गोदान' प्रेमचंदकीऐसीकृतिहैजिसकेमाध्यमसेविद्यार्थीतत्कालीनसमाजकीविसंगतियों, समस्याओंसेजूझतेपात्रोंकीअलक्षितसामर्थ्यएवंशक्तिसेपरिचितहोंगे| इसप्रश्नपत्रकेमाध्यमसेविद्यार्थियोंकेलिएशोधकेनवीनद्वारखुलतेहैं|

CO-2: राजेन्द्रयादवद्वारासम्पादितकहानीसंग्रह'एकदुनियासमानांतर'मेंसंकलितकहानियोंकेअध्ययनसेविद्यार्थीआधुनिकहिंदी केउच्चकोटिकेकथाकारोंकेसाहित्यिकअवदानएवंकहानियोंमेंवर्णितसमस्याओंसेपरिचितहोंगे|

CO-3: आधुनिकगद्यसाहित्यहिन्दीकेश्रेष्ठसाहित्यकापरिचायकप्रश्नपत्रहैजिसमेंमहादेवीवर्माकृत 'अतीतकेचलचित्र' संस्मरणसाहित्यकेमाध्यमसेविद्यार्थीतत्कालीनस्त्रीकीस्थितिकामूल्यांकनकरनेमेंसमर्थहोंगेऔरसंस्मरणसाहित्यविधाको जाननेमेंसक्षमहोंगे

CO-4: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी अतीत के चलचित्र के माध्यम से महादेवी वर्मा के गद्यकाररूप का परिचय प्राप्त करेंगे । एक दुनिया समानांतर के माध्यम से विभिन्न कहानीकारों की साहित्यिक दृष्टि पहचानेंगे और गोदान के माध्यम से प्रेमचंद कालीन समाज से रूबरू होंगे ।

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL-3262

# आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटेTH: 70

LTP-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश:**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है । प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ : ( निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है )**

**1.गोदान -प्रेमचंद ,हंस प्रकाशन ,इलाहबाद |**

**2. एक दुनिया समानांतर - राजेन्द्र यादव ,अक्षर प्रकाशन ,दिल्ली |**

**निर्धारित कहानियां - बादलों के घेरे ,खोई हुई दिशाएं ,चीफ की दावत ,यही सच है ,एक और जिंदगी, टूटना, नन्हों ,भोलाराम का जीव |**

**3. अतीत के चलचित्र ,महादेवी वर्मा ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,केवल पहले आठ संस्मरण )रामा ,भाभी ,बिन्दा सबिया ,बिट्टो ,बालिका मां ,घीसा ,अभागी स्त्री**

## इकाई –दो

उपन्यास,कहानी ,रेखाचित्र:उद्भव एवं विकास

उपन्यास की परिभाषा ,स्वरुप ,तत्व तथा प्रकार**गोदान:**विधागत वैशिष्ट्य ,विकास यात्रा ,हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद ,गोदान :कृषक जीवन की त्रासदी ,आदर्श -यथार्थ ,जीवन दर्शन, महाकाव्यात्मक उपन्यास,कथा शिल्प,पात्र,भाषा एवं समस्याएं|

**उपन्यासकार भीष्म साहनी का सामान्य परिचय**

## इकाई -तीन

कहानी के प्रमुख आन्दोलन ,समकालीन कहानी की विशेषताएं

**एक दुनियासमानांतर :**किसी निर्धारित कहानी के कथ्य सम्बन्धी प्रश्न ,किसी निर्धारित कहानी के शिल्प सम्बन्धी प्रश्न ,संग्रह में निर्धारित कहानियों की सामान्य विशेषताएं |

**कहानीकार अज्ञेय का सामान्य परिचय**

## इकाई -चार

रेखाचित्र :स्वरूप ,तत्त्वएवंप्रकार

**अतीतकेचलचित्र :**अतीतकेचलचित्रकेआधारपरमहादेवीकेगद्यकाररूपकाविवेचन ,किसीएकरेखाचित्रकेकथ्यपरकेन्द्रितप्रश्न , किसीएकरेखाचित्रकेशिल्पपरकेन्द्रितप्रश्न ,रेखाचित्रकेतत्वोंकेआधारपर'अतीतकेचलचित्र'कासमग्रमूल्यांकन |

**रेखाचित्रकार शिवपूजन सहाय का सामान्य परिचय**

### सहायक पुस्तकें


1. डॉ.लाल चंद गुप्त 'मंगल', अस्तित्वादऔर नयी कहानी, शोध प्रबंध, दिल्ली |
2. डॉ. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
3. डॉ. मधु संधु, कहानीकार निर्मल वर्मा, दिनमान, दिल्ली |
4. हिंदी लेखक कोश, डॉ. सुधा जितेन्द्र एवं अन्य, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
5. प्रेमचंद: कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. प्रेमचंद: हमारे समकालीन, सं.रमेशकुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
7. महादेवी का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
8. महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL-3263

# भाषा विज्ञानऔर देवनागरी लिपि

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

**CO-1:**इकाई एक में विद्यार्थी हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

**CO-2:**इकाई दो में विद्यार्थी ध्वनी विज्ञान,अर्थ विज्ञान,रूप विज्ञान तथा वाक्य विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

**CO-3:** इकाई तीन में विद्यार्थी आधुनिक भारतीय भाषाओँ का ज्ञान अर्जित करेंगे तथाहिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ - साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे|

**CO-4:**हिंदी की बोलियों, हिंदी का भाषिक स्वरूप और हिंदी की व्याकरणिक कोटियों से परिचित होंगे| देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान|

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL - 3263
# भाषा विज्ञान और देवनागरी लिपि

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटेTH: 70

LTP-4-0-0

**परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -**

भाषा : परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं,भाषा के विभिन्न रूप : विभाषा,मातृभाषा, साहित्यिक/ सर्जनात्मक भाषा,राजभाषा,राष्ट्रभाषा,सम्पर्क भाषा,मानक भाषा | भाषा का आवृत्तिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण

भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप,भाषा विज्ञान के अंग,भाषाविज्ञान का विभिन्न पद्धतियों/शास्त्रों के साथ सम्बन्ध:वर्णनात्मक,ऐतिहासिक,तुलनात्मक

## इकाई -दो

**अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र** -

ध्वनि विज्ञान : ध्वनि नियम (ग्रिम निरूपित),ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं |

रूपविज्ञान : रूप और संरूप : सामान्य परिचय,परिभाषा व पारस्परिक अंतर,रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं

वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप और लक्षण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, वाक्य के भेद : रचना, आकृति व अर्थ के आधार पर |
अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

## इकाई-तीन

**अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र** -
आधुनिक भाषा विज्ञान : प्रमुख प्रवृत्तियां,रूपांतरण प्रजनक व्याकरण,व्यवस्थापरक व्याकरण, शैलीविज्ञान,समाज भाषा विज्ञान |
हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पालि, प्राकृत, शौरसैनी , मागधी ,अपभ्रंश का परिचय |
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास :सामान्य परिचय |

## इकाई -चार

**अध्ययनकेलिएनिर्धारितपरिक्षेत्र**–
हिंदी का भौगोलिक विस्तार,हिंदी की बोलियाँ -स्वरूपगत संक्षिप्त परिचय |
हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग ,प्रत्यय ,समास |
हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ - लिंग, वचन ,कारक,पुरुष ,वाच्य|
भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय ,देवनागरी लिपि का स्वरूप, विशेषताएं एवं सीमाएं,संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव |

**सहायक पुस्तकें:**

1.भाषाविज्ञानकीभूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथशर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली|
2. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा,द्वारिका प्रसाद सक्सेना|
3. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
4. भाषा विज्ञान,डॉ. भोलानाथ तिवारी,किताब महल प्रकाशन,इलाहाबाद |
5. भाषा विज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भंडार,मेरठ |

**6.** भोलानाथ तिवारी ,हिंदी भाषा की शब्द सरंचना ,साहित्य सहकार , दिल्ली |
7. भोलानाथ तिवारी ,हिंदी भाषा की सरंचना ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली|
8. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ,हिंदी भाषा का इतिहास ,हिन्दुस्तानी अकादमी ,इलाहबाद |
9. .डॉ. जाल्मन दीमान्श्त्श ,व्याहारिक हिंदी व्याकरण , राजपाल एंड संज ,कश्मीरी गेट ,दिल्ली|
10. हरदेव बाहरी,हिंदी :उद्भव ,विकास और रूप, किताब महल ,इलाहाबाद |
11. देवेन्द्र नाथ शर्मा तथा रामदेव त्रिपाठी , हिंदी भाषा का विकास ,राधाकृषण प्रकाशन ,नई दिल्ली |
12. डॉ. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा ,किताब महल , इलाहाबाद |
13. नरेश मिश्र , नागरी लिपि , निर्मल प्रकाशन, दिल्ली |
14. डॉ. हरिमोहन , हिंदी भाषा और कंप्यूटर , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली |

# PG DEPARTMENT OF HINDI

## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता - प्रशिक्षण

**Course Outcomes :**

**इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :**

CO 1:..हिंदी पत्रकारिता के स्वरूप,उद्भव और विकास तथा से परिचित होने के साथ साथ विद्यार्थी समाचार संकलन तथा संपादन कला के सामान्य सिद्धान्तों और प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करेंगे।

CO.2:समाचार पत्र में प्रकाशित होनेवाले स्तम्भ लेखन के विविध प्रकारों की जानकारी के साथ विद्यार्थी संपादकीय, फीचर लेखन, इंटरव्यू, खोजी पत्रकारिता इत्यादि विषयों को समझने में सक्षम होगा।

CO.3:इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता के अंतर्गत रेडियो,टी. वी, वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता को समझने के साथ-साथ प्रिंट पत्रकारिता की लेआउट, प्रूफ रीडिंग, पृष्ठ सज्जा के कौशल को समझने में सक्षम होगा।

इसी इकाई के अंतर्गत पत्रकारिता प्रबंधन के विभिन्न अंगों -प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था से परिचित होगा।

CO.4:इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी मुक्त प्रेस, लोक संपर्क, विज्ञापन, प्रसार भारती, सूचना प्रोद्योगिकी तथा लोकतंत्र में पत्रकारिता के महत्व को समझने में सक्षम होगा।

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL -3264

पत्रकारिता - प्रशिक्षण

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटेTH: 70

LTP-4-0-0

**परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14-14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

## अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र–

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार,हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास,समाचार पत्रकारिता के मूलतत्त्व,समाचार संकलनतथा लेखन के प्रमुख आयाम |सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत:शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास,आमुख और समाचार पत्रों की प्रस्तुत प्रक्रिया|

## इकाई -दो

## अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत,संवाददाता की अर्हता,श्रेणी एवं कार्यपद्धति| पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन: सम्पादकीय,फीचर,रिपोर्ताज,साक्षात्कार,खोजी पत्रकारिता, अनुवर्तन (फॉलोअप )की प्रविधि

# इकाई -तीन

## अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता :रेडियो, टी वी, वीडियो,केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता | प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा| पत्रकारिता का प्रबंधन :प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था |

# इकाई -चार

## अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती, तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

### सहायक पुस्तकें


1.कृष्ण बिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, संपा. लक्ष्मीचन्द्र जैन, लोकोदय ग्रन्थ भाषा, दिल्ली |
2. राधेश्याम शर्मा, विकास पत्रकारिता |
3. श्याम सुंदर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण और साजसज्जा |
4. सविता चड्ढा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन |
5. हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला |
6. शिवकुमार दुबे, हिंदी पत्रकारिता: इतिहास और स्वरूप |
7. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, वाराणसी विश्वविद्यालय |
8. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धांत, आलेख प्रकाशन, दिल्ली |
9. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, पत्रकारिता के सिद्धांत |
10. हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता |
11. संपा. के.सी. नारायण, सम्पादन कला |
12. हरिमोहन, सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन |
13. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, भारतीय प्रसारण माध्यम |
14. टी.डी. एस. आलोक, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया |
15. हर्षदेव, उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक |
16. संजीव भानावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता |

# PG DEPARTMENT OF HINDI

## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

**विकल्प - एक**

**Course Outcomes :**

**इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :**

**CO-1:**इसप्रश्न-पत्रकेमाध्यमसेविद्यार्थीसिक्खोंकेप्रथमगुरुकेद्वारा रचित जपुजी साहिब के सम्बन्धमेंजानकारीप्राप्तकरसकतेहैं|

CO-2: गुरुनानकजीकीवाणीके वैशिष्ट्य के सम्बन्धमेंज्ञानप्राप्तकर जीवन में सकरात्मक दृष्टिकोण अपनासकतेहैं |

CO-3**:**गुरुनानकजीकीवाणीकेमाध्यमसेउनकेविचारोंऔरजीवनमेंउनकेमहत्व से परिचित होकर उनकी सामाजिक सोच,उनकी भक्ति भावना और उनके काव्य-दर्शन को समझ सकते हैं |

CO-4: इस प्रश्नपत्र को पढकर विद्यार्थी भारतीय संस्कृत से परिचित होंगें | जपुजी साहिब की भाषा और शैली का ज्ञान प्राप्त करेंगें | साहित्य में निर्गुण मत कवियों की एक परम्परा है उसमें गुरु नानक देव जी का क्या स्थान है, वे अन्य कवियों से कैसे श्रेष्ठ हैं,इसकी जानकारी भी उन्हें प्राप्त होगी |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

## विकल्प - एक

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटेTH: 70

LTP-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

अध्ययन के लिए निर्धारित कृत्ति :जपुजी साहिब, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी,अमृतसर |

### इकाई -एक

**व्याख्या हेतु निर्धारित कृति-**

जपुजी साहिब

### इकाई -दो

गुरु नानक देव: युग और व्यक्तित्व, जपुजी साहिब का सामान्य परिचय, गुरु नानक देव जी की वाणी का वैशिष्ट्य

### इकाई -तीन

गुरु नानक देव जी का सामाजिक चिंतन,  गुरु नानक देव जी की भक्ति - भावना,  गुरु नानक देव जी की वाणी में दार्शनिकता

## इकाई -चार

गुरु नानक देव जी के काव्य में भारतीय संस्कृति के तत्व,जपुजी साहिब की भाषा-  शैली एवं काव्य सौष्ठव,  निर्गुण भक्त कवियों में गुरु नानक देव जी का स्थान

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Masters of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL - 3265

सूरदास

## विकल्प - दो

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

**CO-1:**सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे |

**CO-2:**मध्ययुगीनकृष्णभक्तिसम्प्रदायमेंसूरदासकीभक्तिभावनाऔरउसकेआधारमेंनिहितमध्ययुगीनकृष्णभक्तिसम्प्रदायमेंसूरदासकीभक्तिभावनाऔरउसकेआधारमेंनिहितमनोवैज्ञानिक भूमिका को समझने में सक्षम होंगे | वे सूरदास के व्यक्तित्व व रचनाकार रूप से भी परिचित होंगे और कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे |

**CO-3:**इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी पुष्टिमार्गीय भक्ति के विषय में जानेगें और भक्ति साधना के विभिन्न रूपों का अध्ययन कर सकेंगे |सूरदास किस प्रकार वात्सल्य का चित्रण करते हैं इसका ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे |

**CO-4:** सूरकाव्य में निहित संगीत,लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ - साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण - रस, छंद, अलंकार, बिम्ब, प्रतीक इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे |सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थियों की रुचि प्रोत्साहित होगी |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Masters of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL -3265

# सूरदास

# विकल्प-दो

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटे TH: 70

LTP-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक**-

सूरसागर, सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लि० इलाहाबाद |

**निर्धारित पद** -

विनय भक्ति - 1 से 10 तथा 17 से 24 =18 पद

गोकुल लीला - 1 से 35 =35 पद

वृन्दावन लीला - 3 से 18, 38 से 53, 145 से 155 =43 पद

उधव सन्देश - 116 से 159 =44 पद

## इकाई -दो

- मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन तथा कृष्ण भक्ति
- मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति: सम्प्रदाय एवं सिद्धांत
- कृष्ण भक्ति काव्य: विशेषताएं तथा उपलब्धियां
- सूरदास: व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व
- सूरकाव्य में लोक संस्कृति
- सूरकाव्य में मनोविज्ञान
- कृष्ण भक्ति काव्य में सूरदास का स्थान
- सूरकाव्य में लीला तत्व

## इकाई -तीन

- सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति
- सूरकाव्य में भक्ति साधना के अन्य रूप - दास्य, संख्य, प्रेमा आदि
- सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन
- सूरकाव्य में दार्शनिक पक्ष
- सूरकाव्य में निर्गुण - सगुण द्वंद्व

## इकाई -चार

- सूरकाव्य में विभिन्न रसों की सृष्टि
- सूरकाव्य में बिम्ब, प्रतीक तथा मिथक
- सूर की काव्य भाषा: शब्द सम्पदा, पद रचना, अलंकार, छंद आदि।
- सूरकाव्य में गीति तत्व
- सूरकाव्य के कूट पद

### सहायक पुस्तकें :


1.कमला अत्रिय, आधुनिक मनोविज्ञान और सूरकाव्य, विभू प्रकाशन, साहिबाबाद।
2. रमाशंकर तिवारी, सूर का श्रृंगार वर्णन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर।
3. आद्या प्रसाद त्रिपाठी, सूर साहित्य में लोक - संस्कृति, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
4. एन.जी. द्विवेदी, हिन्दी कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक इतिहास, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशम, नई दिल्ली।
6. प्रभुदयाल मित्तल, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

7. प्रभुदयाल मित्तल, सूरसर्वस्व, राजपाल एंड संज, दिल्ली।
8. ब्रजेश्वर वर्मा, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
9. रामनरेश वर्मा, सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
10. मुंशीराम शर्मा, सूरदास का काव्य वैभव ग्रंथम, कानपुर।
11. हरबंस लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
12. वेदप्रकाश शास्त्री, सूर की भक्ति भावना, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
13. शारदा श्रीवास्तव, सूर साहित्य में अलंकार विधान, बिहार ग्रन्थ कुटीर, पटना।
14. केशव प्रसाद सिंह, सूर संदर्भ और दृष्टि, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL -3265

हिन्दी कहानी

## विकल्प -तीन

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

**CO-1:**कहानीसाहित्यकोआत्मसातकरनेकासर्वश्रेष्ठमाध्यमहै |इसप्रश्नपत्रमेंविद्यार्थी–वर्गकोकहानीकेस्वरूप,विकासयात्रा,
कहानीकेआन्दोलनोंएवंसमकालीनकहानीसाहित्यकीविशेषताओंकाविस्तृतएवंगहनज्ञानप्राप्तहोगा | इकाई एक में विद्यार्थी कहानी को पढ़ कर कहानीकारों की दृष्टि को पकड़ सकने में समर्थ होंगे |

**CO-2**: इस इकाई को पढने से कहानी का अर्थ और तत्व एवं प्रकार विद्यार्थी के सामने स्पष्ट होंगे |
भीष्मसाहनीकीकहानियोंकेपरिप्रेक्ष्यमेंविद्यार्थियोंकेसमक्षपंजाबकीतत्कालीनस्थिति, विभाजनकीत्रासदीसेउत्पन्नसंत्रास, विदेशीवातावरणमेंअपनीमिट्टीकीमहककेदर्शनहोंगे |

**CO-3:**मृदुला गर्ग कीकहानियोंकेमाध्यमसेमहानगरीयजीवनकीविसंगतियोंसेजूझतेमनुष्यसेसाक्षात्कारएवं महिलाओं की वर्तमान स्थिति के सम्बन्ध मेंविद्यार्थीउनकीसमस्याओंसेअवगतहोंगे |

**CO-4:**मन्नूभंडारीकीकहानियोंकेद्वारावि‌द्यार्थीसमकालीनसंदर्भमेंस्त्रीकीस्थिति, आधुनिकयुगकीसमस्याओंसेदो - चारहोती, जूझतीनारीएवंस्त्रीअस्मितासेजुड़ेप्रश्नोंकासाक्षात्कारकरेंगे |

# PG DEPARTMENT OF HINDI

## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts ( Hindi)
## (Semester III)
### Course Code: MHIL-3265

हिंदी कहानी

विकल्प-तीन

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटेTH: 70

LTP-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई–एक

**अध्ययनकेलिएनिर्धारितपुस्तकें व कहानियां –(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है )**
**प्रतिनिधिकहानियां–भीष्मसाहनी,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली 1980**
निर्धारित कहानियां- गंगो का जाया,चीफ़ की दावत,खून का रिश्ता,यादें,कुछ और साल, अमृतसरआ गया है, ओ हरामज़ादे, सागमीट ,लीला नन्दलाल की |
**प्रतिनिधिकहानियां- मृदुला गर्ग,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली|**
निर्धारितकहानियां-हरी बिन्दी,साठ साल की औरत,समागम,वो मैं ही थी;बंजर,अगली सुबह,उर्फ़ सैम,वितृष्णा |
**मेरी प्रिय कहानियां- मन्नू भंडारी,राजपाल एंड सन्ज़,दिल्ली 2015**
निर्धारित कहानियां- अकेली मजबूरी,नई नौकरी,बंद दराज़ोंका साथ,एखाने आकाश नार्द,यही सच है,सज़ा,शायद|

## इकाई -दो

. कहानीकार भीष्म साहनी :व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व
. भीष्म साहनी की कहानियों का कथ्य एवं मूल संबंध
. भीष्म साहनी की कहानियों के नारी पात्र

. भीष्म साहनी की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रशन
. कहानी: स्वरूप, परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
हिंदी कहानी की विकास यात्रा

## इकाई -तीन

. कहानीकार मृदुला गर्ग : सामान्य परिचय
. मृदुला गर्ग की कहानियों में सामाजिक संचेतना
. मृदुलाकी कहानियों में नारीमनोविज्ञान
. मृदुला गर्ग की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न
. हिंदी कहानी के विभिन्न आन्दोलन

## इकाई -चार

. कहानीकार मन्नू भंडारी :सामान्य परिचय
. मन्नू भंडारी की कहानियां: अस्तित्ववादी चेतना
. मन्नू भंडारी की कहानियां: मनोविज्ञान और बदलता समाज
. मन्नू भंडारी की कहानियां : शिल्प और भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न
. समकालीन कहानी की विशेषताएं

**अनुशंसित पुस्तकें:**


1. हिंदी कहानी : उन्द्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
3. कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कहानी: नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
7. समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।
8. नयी कहानी: विविध प्रयोग, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।

9. हिंदी कहानी में प्रगति चेतना, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क, दिल्ली।
10. मिथिलेश रोहतगी, हिन्दी की नयी कहानी का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, शलभ प्रकाशन, मेरठ।
11. हिन्दी लेखक कोश, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
12. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश और अस्तित्व, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
13. राम दरश मिश्र, दो दशक की कथा यात्रा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
14. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी अपनी ज़बानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. सुरेन्द्र चौधरी, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया
16. परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम, कानपुर।
17. बटरोही, कहानी: रचना प्रक्रिया और स्वरूप, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

# FACULTY OF LANGUAGES

**SYLLABUS**
**of**
**Master of Arts (HINDI) (Semester:IV)**

**(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)**

**Session: 2025-26**

# The Heritage Institution

# KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

# KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)
## SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
## OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME
## CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
## GRADING SYSTEM (CBCEGS)
## PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)

| Master of Arts<br>Semester IV | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Course Code** | **Course Name** | **Course Type** | **Hrs/ Weeks** | **Credits L.T.P** | **Marks** | | | | | **Examination time (in Hours)** |
| | | | | | **Total credits** | **Total** | **Ext.** | | | |
| | | | | | | | **L** | **P** | **CA** | |
| MHIL -4261 | मध्यकालीन हिन्दी काव्य<br>MADHYAKALEEN KAVYA | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL -4262 | आधुनिक गद्य साहित्य<br>ADHUNIK GADYA SAHITYA | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL -4263 | शोध प्रविधि<br>SHODH PRAVIDHI | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL-4264 | राजभाषा प्रशिक्षण<br>RAJBHASHA PRASHIKSHAN | C | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| MHIL- 4265 (Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक | उत्तर काव्यधारा के सन्दर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन<br>UTTAR KAVYADHARA KE SANDARBH MEIN GURU TEG | O | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विकल्प चुन सकता है ) | BAHADUR JI KI VANI KA VISHESH ADHYAYAN (Opt-i) | | | | | | | | | |
| | हिंदी उपन्यास HINDI UPANYAS (Opt-ii) | O | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| | निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल NIBANDHKAR ACHARYA RAMCHANDER SHUKLA (Opt-iii) | O | 4 | 4-0-0 | 4 | 100 | 70 | - | 30 | 3 |
| **Total** | | | **20** | **20** | | **500** | | | | |

**C-Compulsory**
**O-Optional**

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL - 4261

**COURSE TITLE-** मध्यकालीन हिन्दीकाव्य

**Course Outcomes :**

**पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :**

**CO-1:**इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी 'मध्ययुगीन हिन्दीकाव्य के अंतर्गत तुलसी, मीरा जैसे भक्त कवि और रीति कवि बिहारी के काव्य केगूढ़ार्थ से परिचित होंगे |

**CO-2:**रामकाव्यसम्बन्धीज्ञानप्राप्तकरते हुए तुलसीदासकीसमन्वयसाधना, लोकनायकत्व, भक्ति भावना एवं दार्शनिक सिद्धान्तों का गहन अध्ययन करने में समर्थ होंगे |

**CO-3:**मीराबाई के काव्यके अध्ययन से विद्यार्थी उनकी भक्ति भावना, दार्शनिक सिद्धांत एवं काव्य सौष्ठव का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

**CO-4:**रीतिकालीन कवि बिहारी की सतसई के गहन अध्ययन से विद्यार्थी सतसई में वर्णित भक्ति, नीति, श्रृंगार से संबंधित बिहारी के अभिधार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ को समझेंगे |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL - 4261

### COURSE TITLE- मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटेTH: 70

L-T-P-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ्य पुस्तक-** 'काव्य कांति ' सम्पादक प्रो॰ सुधा जितेन्द्र ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2020

नोट : निर्धारित पुस्तक काव्य कांति में से पृ. 151 में बाल कांड शीर्षक के स्थान पर उत्तरकाण्ड शीर्षक पड़ा जाए।

पृ. 156 से 160 तक की चौपाईयां और दोहे राम राज्य वर्णन शीर्षक के अंतर्गत पड़े जाएँ ।

व्याख्या के लिए निर्धारित कवि-(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है )

1.तुलसीदास

2.मीराबाई

3.बिहारीलाल

## इकाई-दो

1.तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
तुलसीकीसमन्वयसाधनाऔरलोकनायकत्व
तुलसीकीभक्तिभावना
तुलसीकेदार्शनिक सिद्धांत
रामचरितमानसकासाहित्यिकमूल्यांकन
विनयपत्रिका: मूलप्रतिपाद्यऔरशिल्प
कवितावली : मूलप्रतिपाद्य

## इकाई-तीन

2.मीराबाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- मीराकेकाव्यकेदार्शनिकसिद्धांत
- मीराकेकाव्यमेंभक्तिकास्वरूप
-मीराकीवाणीकाकाव्यसौष्ठव
- हिंदीकृष्णकाव्यपरम्परामेंमीराकास्थान

## इकाई -चार

3.बिहारीलाल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- सतसईपरम्परा में बिहारी का स्थान
- बिहारी सतसई : मूल प्रतिपाद्य
- बिहारी सतसई :भक्ति ,नीति और श्रृंगार का समन्वय
- बिहारी की अर्थवत्ता
- बिहारी सतसई :काव्य शिल्प

**सहायक पुस्तकें**


1. उदयभानु सिंह, तुलसी : दर्शन-मीमांसा ,लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ।
2. राममूर्ति त्रिपाठी ,आगम और तुलसी, मैकमिलन ,नई दिल्ली ।
3. राममूर्ति त्रिपाठी , तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. बलदेव प्रसाद मिश्र, तुलसी दर्शन, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग।
5. रामप्रसाद मिश्र ,तुलसी के अध्ययन की नई दिशाएं, भारतीय ग्रन्थ निकेतन , नई दिल्ली।
6. रमेश कुंतल मेघ, तुलसी : आधुनिक वातायन से, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. रामनरेश वर्मा, हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी|

8. विष्णुकांत शास्त्री, तुलसी के हिय हेर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हरबंस लाल शर्मा, बिहारी और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ।
10. उदयभानु हंस, बिहारी की काव्य कला, रीगल बुक, दिल्ली।
11. जयप्रकाश, बिहारी की काव्य सृष्टि, ऋषि प्रकाशन, कानपुर।
12. डॉ. बच्चन सिंह,बिहारी का नया मूल्यांकन,हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
13. रवीन्द्र कुमार सिंह, बिहारी सतसई: सांस्कृतिक - सामाजिक संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. भगवानदास तिवारी, मीरा की प्रामाणिक पदावली, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
15. महावीर सिंह गहलोत, मीरा: जीवनी और साहित्य।

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL- 4262

### COURSE TITLE-आधुनिक गद्य साहित्य

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

**CO-1:**यहप्रश्नपत्रसाहित्यकीविविधविधाओंसेपरिचितकराताहै |यहनिबंध, नाटकएवंजीवनीसाहित्यकीत्रिवेणीहैजिसमेस्नातहोकरविद्यार्थीअपनेज्ञानकोसम्पुष्टकरताहै |

**CO-2:**निबंधविविधा में**विद्यार्थी**विभिन्ननिबंधकारोंकेनिबंधोंमेंसाहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृतिएवंसभ्यताकेपुट कोपहचानेंगे |

**CO-3:**'आधे–अधूरे'केमाध्यमसेनकेवलमोहनराकेशअपितुउनकीनाट्यदृष्टि, रंगमंचीयताएवंजीवनकेआधे–अधूरेपनकीत्रासदीसेविद्यार्थीपरिचितहोंगेइसकृतिकेमाध्यमसेवेनाटककारके दृष्टिकोण सेभीपरिचितहोंगे |

**CO-4:**आवारा मसीहा केमाध्यमसेविद्यार्थियोंकोशरतचंद्रकेजीवनकेसूक्ष्मदर्शनहोंगेऔरसाथही वे उनके साहित्यिक चरित्र से भी परिचित होंगे।

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL - 4262

## COURSE TITLE–आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

L-T-P-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ :(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है )**

**1.निबंध विविधा, सम्पादक हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर|**

**2.आधे अधूरे 'मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |**

**3.आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर ,राजपाल एंड सन्ज़,कश्मीरी गेट,दिल्ली|**

1.निबंध विविधा -

(निर्धारित निबंध-कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता,अशोक के फूल,गेहूं बनाम गुलाब,मेरे राम का मुकुट भीग रहा है,पगडंडियों का ज़माना )

## इकाई-दो

निबंध:उद्भव एवं विकास

निबंध विधा-स्वरूप और वैशिष्ट्य, हिंदी निबंध- विकास यात्रा

कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता-उपेक्षित पात्रों का सरोकार
अशोक के फूल-भारतीय संस्कृति, इतिहास और जीवन की गाथा
गेहूं बनाम गुलाब- मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है-प्रतिपाद्य
पगडंडियों का ज़माना-आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक निबंध की विशेषताएं

## इकाई -तीन

नाटक-विधागत वैशिष्ट्य, हिंदी नाटक:विकास यात्रा
नाटक:उद्भव एवं विकास

-(आधे अधूरे,मोहन राकेश)

आधे अधूरे :मध्यवर्गीय परिवार की त्रासदी

आधे अधूरेके विविध आयाम,विचारधारा तथा कथ्य चेतना ,भाषागत उपलब्धियां|

नाटक और रंगमंच का रिश्ता -मोहन राकेश की दृष्टि और आधे अधूरे का आधार |
मोहन राकेश की नाट्य भाषा |
आधे अधूरे :नए नाट्य प्रयोग का संदर्भ |

## इकाई -चार

जीवनी :उद्भव एवं विकास

जीवनी:परिभाषा,स्वरूप व तत्व,
-आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर
जीवनी के तत्वों के आधार पर आवारा मसीहा का मूल्यांकन,जीवनी के सन्दर्भ में शरतचन्द्र का चरित्र चित्रण, आवारा मसीहा जीवनी विधा का गौरव ग्रन्थ |

सहायक पुस्तकें

1.हिंदी लेखक कोश, प्रकाशन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
2.जगदीश शर्मा, मोहन राकेश के नाटकों की रंग सृष्टि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली|
3.गोबिंद चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ , दिल्ली|

4.गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश के नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद|
5.कृति मूल्यांकन,आवारा मसीहा संपा.पल्लव,राजपाल एंड संस,दिल्ली
6. कलानाथ मिश्र : आवारा मसीहा कीऔपन्यासिकता

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL-4263

### COURSE TITLE-शोध प्रविधि

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: शोधार्थी साहित्य में  शोध के लिएतैयारहोंगे तथा शोध की परिभाषा जानते हुए इसकी परम्परा का अध्ययन करेंगे।

CO-2:शोध मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करने,व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करने में सहायक है| शोधार्थीसाहित्यिक शोध की कोटियों का ज्ञान प्राप्त करते हुए इसमें आने वाली समस्याओं का अध्ययन करेंगे |

CO-3:शोध के क्षेत्र में सामग्री संकलन से लेकर समस्याओं के समाधान तक की यात्रा को शोधार्थी तय करने में सक्षम होंगे |

CO-4:इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थीपादटिप्पणी केमहत्त्वऔर विभिन्न प्रकार की सामग्रीको प्रस्तुत करने के उदाहरण जान सकेगा | शीर्षकीकरण और उद्धरण देने का सही तरीका क्या है, संदर्भिका तथा अनुक्रमणिका की निर्माण प्रक्रिया को जानने में भी समर्थ होगा |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL-4263
## Course Title: शोध प्रविधि

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

L-T-P-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

**इकाई-एक**

शोधाभिप्राय:

शोध: अर्थ एवं स्वरूप , शोध के तत्त्व , शोध एवं समीक्षा ,शोध के प्रयोजन , शोध के प्रकार , शोध की पद्धतियाँ , शोध-चिंतन , तथ्यानुसंधान एवं तथ्य परीक्षण , शोध अर्हता एवं संस्कार

**इकाई-दो**

शोध के सोपान :

शोध चिंतन , विषय चयन , रूपरेखा निर्माण , शोध शीर्षक ,प्रस्तावना ,पूर्वकृत कार्य की समीक्षा ,परिकल्पना ,उद्देश्य ,प्रविधि व अध्यायीकरण , परिशिष्ट आदि , सामग्री संकलन ,टीप (नोट्स ) लेना ,प्रश्नावली , साक्षात्कार तथा पर्यवेक्षण पद्धति ।

## इकाई-तीन

### शोध -प्रबंध लेखन :-

विषय सूची , संकेत सूची ,विषय प्रवेश या पीठिका , भूमिका एवं उपसंहार -लेखन ,अध्यायीकरण ,उद्धरण -प्रस्तुति , सन्दर्भ-उल्लेख , पाद टिप्पणी ;सन्दर्भ ग्रंथ सूची ,नामों एवं विषयों की अनुक्रमणिका

## इकाई-चार

### शोध -संहिता एवं कंप्युटर अनुप्रयोग :-

शोध आचार संहिता , कॉपीराइट ,साहित्यिक चोरी तथा उपचार ;प्रकाशन संबंधी नैतिकता एवं दुराचार ,विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 2016 का शोध - संबंधी अधिनियम ।

कंप्युटर का शोध में उपयोग ,कंप्युटर पर हिन्दी में काम करने की सुविधा , ई - सामग्री संग्रह तथा उपयोग , हिन्दी भाषा और साहित्य संबंधी विविध वेबसाइट ,ई -पत्रिकाएँ ,पुस्तकें तथा उनके लिए लेखन

सहायक पुस्तकें –

शोधसिद्धांत और व्यवहार ,प्यारा सिंह, पब्लिकेशनब्यूरो, पटियाला |
हिंदी शोध , रविंदर मिश्र , युगांतर प्रकाशन ,दिल्ली|
शोध स्वरूप एवं मानक व्यवहारिक कार्यविधि , बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली|
हिंदी शोध : दिशाएं , प्रवृतियां एवं उपलब्धियां, गणेश प्रसाद, महावीर प्रेस , वाराणसी|
हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा, मनमोहन सहगल,पंचशील प्रकाशन, दिल्ली|
हिंदी अनुसन्धान के आयाम, भ.ह. राजूरकर, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली |
शोध प्रविधि , विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली |
अनुसन्धान और आलोचना , नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली |
तुलनात्मक अध्ययन और उसकी समस्याएं ,एस.गुलाब रसूल, हिंदी साहित्य भण्डार |
साहित्यिक शोध के आयाम, शशिभूषण सिंहल,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL-4264

COURSE TITLE-राजभाषा प्रशिक्षण

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इकाई एक में प्रशासन -व्यवस्था और भाषा ,भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ,राज भाषा (कार्यालयी हिंदी ) की प्रकृति ,राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान ,राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक ),राष्ट्रपति के आदेश (1952ए,1955 ए,1960)की विस्तृत जानकारी दी जाएगी |

CO-2: इकाई दो में विद्यार्थी राजभाषा अधिनियमोंकी जानकारी के साथ हिंदीतर राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की भूमिका को जान सकेंगे | हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की क्या भूमिका है और
हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या को भी आत्मसात कर सकेंगे |

CO-3: इकाई तीन में राजभाषा केअनुप्रयोगात्मक पक्ष :हिंदी ,आलेखन, टिप्पण ,संक्षेपण तथा पत्राचार पर बल दिया जायेगा | हिंदी कंप्यूटरीकरण , हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण ,हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली काज्ञान भी प्राप्त होगा |

CO-4:इकाई चार मेंकेंद्रएवंराज्यशासनकेविभिन्नमंत्रालयोंमेंहिंदीकरणकीप्रगति,बैंकिंग , बीमाऔरअन्यवाणिज्यिकक्षेत्रोंमेंहिंदीअनुप्रयोगकीस्थिति,विविधक्षेत्रोंमेंहिंदी,सूचनाप्रौद्योगिकी (संचारमाध्यमों ) केपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीऔरदेवनागरीलिपिवभूमंडलीकरणकेपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीकाभविष्य आदि विषयों की विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL-4264

COURSE TITLE–राजभाषा प्रशिक्षण

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
L-T-P-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र**-

प्रशासन -व्यवस्था और भाषा ,भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता |
राज भाषा (कार्यालयी हिंदी ) की प्रकृति ,राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान |
राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक )
राष्ट्रपति के आदेश (1952ए,1955 ए,1960)

## इकाई -दो

राजभाषा अधिनियम1963 ,( यथा संशोधित 1967)
राजभाषा संकल्प(1968) , यथानुमोदित(1961)
राजभाषा नियम1976 द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र
हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी
हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका

हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या

## इकाई -तीन

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष :हिंदी ,आलेखन, टिप्पण ,संक्षेपण तथा पत्राचार |
कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या
हिंदी कंप्यूटरीकरण
हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण
हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली

## इकाई -चार

केंद्रएवंराज्यशासनकेविभिन्नमंत्रालयोंमेंहिंदीकरणकीप्रगति
बैंकिंग , बीमाऔरअन्यवाणिज्यिकक्षेत्रोंमेंहिंदीअनुप्रयोगकीस्थिति
विविधक्षेत्रोंमेंहिंदी
सूचनाप्रौद्योगिकी (संचारमाध्यमों ) केपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीऔरदेवनागरीलिपि
भूमंडलीकरणकेपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीकाभविष्य |

### सहायक पुस्तकें:


हरिबाबू जगन्नाथ,संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद् नई दिल्ली |
राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय संस्था संघ, नई दिल्ली |
डॉ. भोलानाथ तिवारी, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली |
मालिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम, राजपाल एंड संस, दिल्ली|
शेरबहादुर झा. संविधान में हिंदी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं,
हिन्दी का सामाजिक संदर्भ |
संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. रामनाथ सहाय, हिंदी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,आगरा |

डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिंदी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, दिल्ली |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL - 4265

## COURSE TITLE–उत्तर काव्यधारा के संदर्भ मेंगुरु तेग बहादुर जी की वाणी काविशेष अध्ययन

## विकल्प-एक

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

**CO-1:**इकाई एक में गुरुजीकी  वाणी का व्याख्यात्मक परिचय दिया जायेगा|

**CO-2:**गुरुकाव्यपरम्परामेंगुरुतेगबहादुरजीकी वाणी का वैशिष्ट्य, काव्यएवं दर्शन योगदानकापरिचय| गुरुतेगबहादुरजीकेकाव्यकेदार्शनिकचिन्तनकेव्याख्यात्मकपक्षकीअनुभूति|

**CO-3:**गुरुतेगबहादुरजीकीवाणीकेसांस्कृतिकपक्षकेदर्शन एवंअद्वैतदर्शनका ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे|

**CO-4:**इकाई चार में  विद्यार्थीगुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन ,उनकी वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव ,उनकी वाणी की राग योजना एवं उनकी वाणी की प्रगितिशीलता का अध्ययन करेंगे |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Master of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL - 4265

विकल्प-**एक**

## COURSE TITLE–उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

Total: 100

CA: 30

समय: तीन घंटे TH: 70

L-T-P-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

**व्याख्या के लिएनिर्धारित पुस्तक - वाणी गुरु तेग बहादुर जी, प्रकाशक :शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी,अमृतसर |**

## इकाई -दो

गुरु तेग बहादुर :व्यक्तित्व और कृतित्व
हिंदी साहित्य में गुरु तेग बहादुर जी का स्थान
गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन

गुरु तेग बहादुरजी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प

## इकाई- तीन

गुरु काव्यधारा :परम्परा और विकास
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी के समाजशास्त्रीय आयाम
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी और भारतीय संस्कृति
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ

## इकाई -चार

गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग योजना
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की प्रगितिशीलता

**सहायकपुस्तकें:-**


1. नवम गुरु पर बारह निबंध , संपा.रमेश कुंतल मेघ ,गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
2. गुरु तेग बहादुर :जीवन और आदर्श, डॉ. महीप सिंह,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली|
3. जीवन तथा वाणी गुरु तेग बहादुर, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला।
4. नौ निध, संपा प्रो.प्रीतम सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
5. गुरु तेग बहादुर जी डा दार्शनिक चिन्तन, कृष्ण गोपाल दास,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली|

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Masters of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL – 4265

विकल्प-दो

**COURSE TITLE-हिंदी उपन्यास**

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

**CO-1:** इस प्रश्न पत्र की इकाई-एक में उपन्यासों को पढ़कर विद्यार्थी उसके कथ्य को समझ सकेंगें|

**CO-2:** 'बाणभट्ट कीआत्मकथा'उपन्यास में नारी का चित्रण,चरित्रों के सम्बन्धमें जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ वे उसमे वर्णित मूल्यों की जानकारी भी प्राप्त करेंगें|

**CO-3:**अमृतलाल नागर की इस कृति के माध्यम से विद्यार्थी 'बूँद और समुद्र'के कथ्य व भाषा शैली को समझनेमें समर्थ होंगे | इस उपन्यास के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष को भी समझने में सफल होंगें |

**CO-4:**जगदीश चन्द्र पंजाब के साहित्यकार हैं| 'धरती धन न अपना' उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास में वर्णित समस्याओं व कला पक्ष से विद्यार्थी परिचित होगा | पंजाब के उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष से भी वह परिचित होंगें |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Masters of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL - 4265

विकल्प-दो

**Course Title -हिंदी उपन्यास**

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

निर्धारित कृतियां-(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है )

1.'बाणभट्ट की आत्मकथा', आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |

2. 'बूँद और समुद्र', अमृत लाल नागर, किताब महल, इलाहाबाद|

3.'धरती धन न अपना' ,जगदीश चन्द्र ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली|

## इकाई -दो

**उपन्यासकार हज़ारी प्रसाद द्विवेदी** : सामान्य परिचय

बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी भावना

बाणभट्ट की आत्मकथा :मूल्य चेतना

बाणभट्ट की आत्मकथा - प्रमुख चरित्र -बाणभट्ट, निपुणिका, भट्टिनी।

## इकाई- तीन

-उपन्यासकार अमृतलाल नागर : सामान्य परिचय
बूँद और समुद्र की सामाजिक चेतना
बूँद और समुद्र की भाषा शैली
बूँद और समुद्र का सांस्कृतिक अध्ययन
बूँद और समुद्र की कथ्यगत उपलब्धियां

## इकाई -चार

उपन्यासकार जगदीश चन्द्र :सामान्य परिचय
'धरती धन न अपना' में जगदीश चन्द्र का जीवन दर्शन
'धरती धन न अपना' में पंजाब का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश
धरती धन न अपना : कथ्य तथा समस्याएँ
'धरती धन न अपना' का कलात्मक पक्ष

**सहायकपुस्तकें**:

1.आज का हिंदी उपन्यास ,इन्द्रनाथ मदान ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली।

2.हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा , रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली|

3.आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़।

4. जगदीश चन्द्र की उपन्यास यात्रा , डॉ सुधा जितेन्द्र ,संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Masters of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL- 4265
### निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
### विकल्प-तीन

**Course Outcomes :**

## इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

**CO-1:** चिंतामणि भाग एक दो तीन के सभी निबंधों को पढकर विद्यार्थी शुक्ल जी की दृष्टि से परिचित होंगे|

**CO-2:** इकाई दो के माध्यम से विद्यार्थी शुक्ल जी से पूर्व निबंध साहित्य के स्वरूप के विषय में जान सकेंगे और शुक्ल जी के दृष्टिकोण से भी ज्ञान प्राप्त करेंगे |आधुनिक काल में हिंदी साहित्य में निबन्ध विधा की क्या स्थिति है,इसके विषय में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

**CO-3:**इस इकाई में निबंधों का सर्वेक्षण करते हुए निबंधों की कोटियों का सर्वेक्षण किया जाएगा| विद्यार्थीशुक्ल जी के निबन्धों की मूल्य-दृष्टि,उनके वैशिष्ट्य तथा उनके सभी प्रकार के निबंधों की विशेषताओं से लाभान्वित होंगे |

**CO-4:**इस इकाई के द्वारा विद्यार्थी यह जानने मेंसमर्थ होंगे कि शुक्ल जी पर अपने पूर्ववर्ती निबंधकारों का कय प्रभाव पड़ा और परवर्ती निबंधकार उनसे कैसे प्रभावित हुए |विद्यार्थीशुक्ल जी के निबंधों की भाषा,शैली की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे | इस प्रकार से उनके निबंधों की समीक्षा भी की जाएगी |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Masters of Arts (Hindi)
## (Semester IV)
### Course Code: MHIL- 4265
### निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
### विकल्प-तीन

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70

LTP-4-0-0

**परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

## इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है )

1.चिंतामणि , भाग एक :इंडियन प्रेस , इलाहाबाद (सभी निबंध व्यख्यार्थ निर्धारित हैं )

2.चिंतामणि ,भाग दो :सरस्वती मंदिर , वाराणसी (व्यख्यार्थ निबंध: काव्य में अभिव्यंजनावाद )

3.चिंतामणि , भाग तीन :नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (व्यख्यार्थ अनूदित निबंधों को छोडकर शेष सभी निबंध)

## इकाई -दो

1.हिंदी साहित्य और निबंध विधा: विशेषतया आधुनिक काल

2.आचार्य शुक्ल से पूर्व हिंदी निबंध साहित्य :भारतेंदु युग ,द्विवेदी युग

3.आचार्य शुक्ल और निबंध विधा :स्थान एवं महत्व

## इकाई- तीन

1.शुक्ल जी का निबंध साहित्य:वर्गीकरणतथा सर्वेक्षण

2.आचार्य शुक्ल की मूल्य -दृष्टि

3.आचार्य शुक्ल के निबंध - लेखन का वैशिष्ट्य

4.शुक्ल जी के सैध्दान्तिक, व्यावहारिक तथा अन्य निबंधो की विशेषताएं |

## इकाई -चार

1. आचार्य शुक्ल पर पूर्ववर्ती निबंधकारों का प्रभाव और शुक्ल जी की परवर्ती निबंध परम्परा |

2. आचार्य शुक्ल का निबंध शिल्प भाषा, शैली,शब्द सरंचना ,विभिन्न भाषाओं की शब्दावली का प्रयोग |

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित महत्वपूर्ण निबंधों की समीक्षा |

**सहायक पुस्तकें**:


1.आचार्यरामचंद्रशुक्लऔरउनकासाहित्यजयचन्द्रराय, भारतीयसाहित्यमंदिर , दिल्ली|
2. आचार्यरामचंद्रविचार–कोश , सम्पादकअजित्तकुमार , नेशनलपब्लिशिंगहाउस , दिल्ली |
3.निबंधकाररामचंद्रशुक्ल, रामलालसिंह , साहित्यसहयोग ,इलाहाबाद |
4.आचार्यशुक्लकोश, रामचंद्रतिवारी , विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी |
5. आचार्यरामचंद्रशुक्लकेबहुमुखीकृतित्वकासर्वांगीनविवेचन , संपा - शशिभूषणसिंहल ,ऋषभचरणजैन , दिल्ली|
6.रामचंद्रशुक्लव्यक्तित्वऔरसाहित्यदृष्टि, संपा. विद्याधर , प्रभाप्रकाशन, इलाहाबाद|
7. . आचार्यरामचंद्रकेप्रतिनिधिनिबंध ,पांडेयसुधाकर , राधाकृष्णप्रकाशन , दिल्ली|
8. आचार्यरामचंद्र : रचनाऔरदृष्टि , संपा. विवेकीरायतथावेदप्रकाश , महेसाना, गिरनार |
9. आचार्यरामचंद्र:संदर्भऔरदृष्टि,जगदीशनारायणपंकज ,भवदीयप्रकाशन ,अयोध्या |
10. आचार्यरामचंद्रशुक्ल: निबंधकार , आलोचकऔररसमीमांसक , जयनाथनलिन ,साहित्यसंस्थान, दिल्ली |
11. आचार्यरामचंद्रशुक्लऔरउनकासाहित्य, जयचंद्रराय, भारतीयसाहित्यमंदिर, दिल्ली|
12. आचार्यरामचंद्रशुक्लऔरचिंतामणिकाआलोचानात्मकअध्ययन , राजनाथशर्मा, विनोदपुस्तकमंदिर , आगरा |
13. आचार्यरामचंद्रशुक्लकागद्यसाहित्य, अशोकसिंह , लोकभारती, इलाहाबाद |